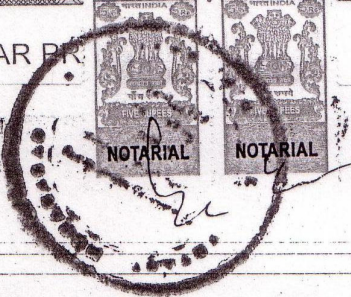


उत्तर प्रदेश UTTAR PR.

78AA 736674



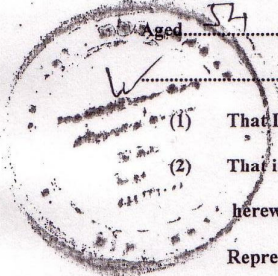
Handwritten signature/initials.

BEFORE THE RETURNING OFFICER FROM Moradabad Parliamentary Constituency

AFFIDAVIT

I, RASHED AHMED son / daughter / wife of SRI JAMEER AHMED
Aged 57 years, resident of Moh. Shavayan South Nehtor Dist Bijnor

do hereby solemnly affirm and declare as follows :-



- (1) That I have filled my nomination paper(s) for the above election.
- (2) That in connection with my candidature for the above election, I am submitting herewith the information as asked for by the Returning Officer under Section 8 of the Representation of the People Act 1951, in the prescribed proforma.
- (3) That the information furnished in the enclosed proforma is true to the best of my knowledge and belief and that nothing material has been concealed there from.

Place :- Moradabad

DEPONENT

Date :- 19/12/09

Handwritten signature of the deponent.

VERIFIED BEFORE ME

(SIGNATURE OF VERIFYING AUTHORITY WITH SEAL)

Handwritten text in Hindi: "मैंने यह सब सच है कि मैंने अपने नाम पर नामांकन पत्र दायर किया है और मैंने इसे भरने के लिए आवश्यक सभी जानकारी दी है। मैंने यह भी सुनिश्चित किया है कि मैंने जो जानकारी दी है, वह सच है और मैंने कोई भी महत्वपूर्ण जानकारी छिपाई नहीं है।"

Rashed Ahmed

Handwritten signature of the verifying authority.

Praveen Kumar
Notary/Advocate
MORADABAD

(iv) संबंधित अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और उस अपराध (उन अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए अभ्यर्थी कभी आरोपित किया गया है अज्ञात चार्ज नहीं लगाए हैं

① 436, 501, 506 ② 323, 504, 506, 91 ③ 420, 467, 468, 471 ④ 420, 467, 468
IPC

(v) तारीख (तारीखें) जिनको दंडादेश सुनाया गया था / सुनाए गए थे 27/11/09 - 18/12

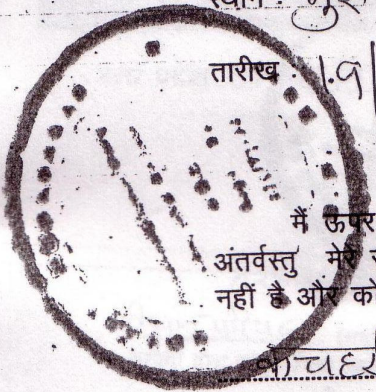
(vi) क्या दंडादेश सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा रोका गया है / रोके गए हैं जी हाँ

स्थान : मुरादाबाद

अभिसाक्षी के हस्ताक्षर

तारीख : 19/12/09

सत्यापन



मैं ऊपर नामित अभिसाक्षी, यह सत्यापित और घोषित करता/करती हूँ कि इस शपथ पत्र की अंतर्वस्तु मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है और इसका कोई भाग मिथ्या नहीं है और कोई तात्विक बात छिपायी नहीं गई है।

केचरी मुरादाबाद स्थान पर आज तारीख 19/12/09 को सत्यापित किया

Rasheed Ahmad

अभिसाक्षी के हस्ताक्षर

Han Prakash Arora 19/12/2009

टिप्पणी :- इस प्ररूप के वे स्तम्भ जो अभिसाक्षी को लागू नहीं हैं, काट दिए जाए।

1 अधिसूचना सं० का० 935 (अ) तारीख 3 सितम्बर 2002 द्वारा अंतःस्थापित

Prakash Arora 19/12/2009

दस
रुपये

रु.10

TEN
RUPEES

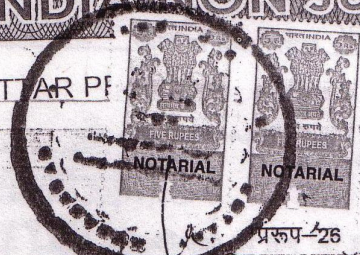
Rs.10

INDIA

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR P

78AA 736675



स्टाम्प सलंकन

शुभावधि विनोद कुमार (नियम 4 क देखिए) निवाचन क्षेत्र से
(निवाचन क्षेत्र का नाम)
विद्या परिषद (सदन का नाम) के लिए निर्वाचन के लिए रिटर्निंग आफिसर के समक्ष
अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला शपथ-पत्र

मैं रशीत अहमद पुत्र/पुत्री/प्रती श्री अमीर अहमद
आयु 54 वर्ष, जो मौं शेरवान शरीफ नहरोर जिला विजानो

का/की निवासी हूँ और उपरोक्त निर्वाचन से अभ्यर्थी हूँ, सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करता हूँ/क़स्ती हूँ
शपथ पर निम्नलिखित कथन करता हूँ/क़स्ती हूँ :-

1- मैं ऐसे किसी लम्बित मामले में दो वर्ष या अधिक के कारावास से दण्डनीय किसी
अपराध (अपराधों) का/की अभियुक्त नहीं हूँ, जिसमें सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा
आरोप विरचित किया गया है/किए गए हैं।
(यदि अभिसाक्षी ऐसे किसी अपराध (अपराधों) का/की अभियुक्त है तो वह निम्नलिखित
जानकारी प्रस्तुत करेगा/करेगी :

(i) मामला/प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या/संख्याएँ 1548/06, 3646/06

1548/01, 3931/08

(ii) पुलिस थाना (थाने) नहरोर, धामपुर जिला (जिले) विजानो राज्य उ.प्र.

(iii) संबंधित अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धारार) और अपराध (अपराधों) का
संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए अभ्यर्थी आरोपित किया गया है 436, 504, 506/ 223/514

(iv) न्यायालय, जिसके (जिनके) द्वारा आरोप (आरोपों) की विरचना की गई 120, 467, 468, 471/06
प्रधान न्यायाधीश एच.ए.ओ.एम. (प्रधान) में तथा शेष को श्री जे.ए.ओ.एम. विजानो

(v) तारीख (तारीखें) जिनको आरोप विरचित किए गए थे अभी आरोप विरचित नहीं है

(vi) क्या सभी या कोई कार्यवाही किसी सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा रोकੀ गई है/
है प्रधान न्यायाधीश एच.ए.ओ.एम. (प्रधान) में तथा शेष को श्री जे.ए.ओ.एम. विजानो ने रोक ली है

2- मुझे किसी अपराध (अपराधों) (लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 (1951 का 43) की
धारा 8 की उपधारा (1) या उपधारा (2) में निर्दिष्ट या उपधारा (3) के अन्तर्गत आने
वाले किसी अपराध (अपराधों) से भिन्न के लिए सिद्धदोष ठहराया गया है / नहीं
ठहराया गया है और एक वर्ष या अधिक के लिए कारावास
(यदि अभिसाक्षी उपयुक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडादिष्ट किया गया है तो वह
निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगा):

(i) मामला/प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या/संख्याएँ X

(ii) न्यायालय जिसने दण्डित किया है X

(iii) पुलिस थाना (थाने) X जिला/ (जिले) X राज्य X

